8. Describe the perception as a source of knowledge according of Nyâya philosophy.
न्याय-दर्शन के अनुसार ज्ञान के स्त्रोत के रूप में प्रत्यक्ष प्रमाण की व्याख्या कीजिए। 10

9. Describe the concept of Dravya, Guna and Karma according to Vaisesika philosphy. 10
वैशेषिक दर्शन के अनुसार द्रव्य, गुण एवं कर्म की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।

Roll No. _____

AS-2082

M.A. in Human Consciousness & Yogic Science (Semester-II) Examination, 2015

Paper-IV

(Indian Philosophy & Yoga)

Time Allowed : Three Hours] [Maximum Marks : 100

Note : Answer **five** questions in all. Question **No. 1** is **compulsory**. Attempt **one** question from each Unit.
कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिये।प्रश्न **सं. 1 अनिवार्य** है। प्रत्येक इकाई से **एक** प्रश्न कीजिए।

1. Give brief answers of the following :
निम्नलिखित के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 3×10=30

(i) Orthodox and Heterodox system of Indian Philosophy.
भारतीय दर्शन के आस्तिक एवं नास्तिक सम्प्रदाय

(ii) Chittavritti.
चित्तवृति

(iii) Vyapti

व्याप्ति

(iv) Concept of Apurva

अपूर्व की अवधारणा

(v) Samavâya

समवाय

(vi) Vivartavâda

विवर्तवाद

(vii) Samanya and Visésa

सामान्य एवं विशेष

(viii) Ordanary Perception

लौकिक प्रत्यक्ष

(ix) Testimony

शब्द प्रमाण

(x) Abhâv

अभाव

Unit-I/ इकाई-I

2. Explain the basic characteristics of Indian Philosophy. 10

भारतीय दर्शन की मूलभूत विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।

3. Discuss the types of Indian Philosophical system with the help of a chart. 10

भारतीय दार्शनिक सम्प्रदाय के प्रकारों पर एक चार्ट की मदद से चर्चा कीजिए।

Unit-II/ इकाई-II

4. State and Examine the concept of 'Karma' given by Purva-mimansa. 10

पूर्वमीमांसा द्वारा प्रतिपादित 'कर्म' की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।

5. What is the concept of Brahma according to Uttar-mimansa. 10

उत्तर मीमांसा के अनुसार ब्रह्म की अवधारणा क्या है?

Unit-III/इकाई-III

6. Explain the concept of Vishishtadwait according to Ramanuja. 10

रामानुज के अनुसार विशिष्टाद्वैत की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।

7. Write an essay on 'Suddhadwait' of Ballabhacharya. 10

'भल्लभाचार्य' के शुद्धाद्वैत पर एक निबन्ध लिखिए।